बूढ़नपुर तहसील (जनपद–आजमगढ़) में भूमि सुधार एवं नयी तकनीक जनित रूपान्तरण

डॉ0 इन्द्रजीत सिंह

भूमि सुधार का उद्देश्य उत्पादन के सामाजिक सम्बन्धों को ऐसा स्वरूप प्रदान करना है। जिसके फलस्वरूप कृषि उत्पादन अधिकतम की जा सके। कृषि के क्षेत्र में उत्पादन मुख्यतः दो प्रकार के तत्वों पर निर्भर करती हैः– 1–तकनीक, 2–संस्थानात्मक सुधार।

भूमि सुधार का एक ओर तो यह उद्देश्य है कि सामाजिक न्याय को लक्ष्य मानकर स्वामित्व जोतों का पुनर्वितरण किया जाए और दूसरी ओर इनका उद्देश्य सकार्य जोतों का पुनर्गठन है। इसके अतिरिक्त भू–सुधारों का उद्देश्य भू–धारक अधिकार की सुरक्षा करना, लगान नियत करना तथा स्वामित्व अधिकार प्रदान करना भी है। भूमि सुधार का प्रधान लक्ष्य विचौलियों को हटाकर कृषक और राज्य के बीच सीधा सम्बन्ध स्थापित करना है। इसके साथ–साथ भूमि धारण अधिकार की सुरक्षा और लगान के नियमन द्वारा एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमें कृषकों को अपने श्रम का फल प्राप्त करने की उम्मीद हो।